जामिया मिल्लिया इस्लामिया

जनसंपर्क एवं मीडिया समन्यवक कार्यालय

प्रेस विज्ञप्ति 07 नवंबर 2020

जामिया, सीयूजे और आरएएसके ने भारत की एक्ट ईस्ट नीति और दक्षिण कोरिया की न्यू सदर्न नीति की चुनौतियों और संभावनाओं पर संयुक्त अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित किया

जामिया मिल्लिया इस्लामिया, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ झारखंड (सीयूजे) और रिसर्च एसोसिएशन फॉर द स्टडी ऑफ कोरिया (आरएएसके) ने संयुक्त रूप से "भारत की एक्ट ईस्ट नीति और दक्षिण कोरिया की न्यू सदर्न नीति की चुनौतियों और संभावनाओं" पर संयुक्त अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया।

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो नजमा अख्तर,
06 नवंबर 2020 को शुरू हुए इस दो दिवसीय वेबिनार के उद्घाटन सत्र की मुख्य अतिथि थीं। उन्होंने कोरिया अध्ययन अनुसंधान संघ के अध्यक्ष, प्रोफेसर किम डो यंग, आरएएसके के अध्यक्ष शशि कुमार मिश्रा और अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार के आयोजन में शामिल सभी लोगों का बधाई दी।

प्रो अख्तर ने कहा कि भारत और कोरिया इतिहास की शुरूआत से ही एक-
दूसरे को जानते हैं। दोनों देशों के अनेक विद्वानों ने अपने अध्ययनों, पर्यटन और आदान-
प्रदान के ज़रिए इन दो एशियाई देशों की आपसी साझी विरासत को समृद्ध किया है। भारतीय अर्थव्यवस्था के उदारीकरण के साथ, दोनों देशों ने कई ऐसे क्षेत्रों की पहचान की है जिसमें दोनों ने आपसी सहयोग के भविष्य को और बढ़ाया।

उन्होंने कहा कि जामिया, दक्षिण कोरिया के कई संस्थानों से अपने संबंधों को और गहरा करता हुए उसे नए स्तर पर ले जा रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह वेबिनार सरकार की कूटनीति के अनुरूप, भारत-कोरिया संबंधों को मजबूती देने में मददगार होगा।

वेबिनार के दौरान, भारत में दक्षिण कोरिया के राजदूत का वीडियो-
संदेश दिखाया गया। कोरिया गणराज्य में भारत के पूर्व राजदूत श्री स्कंद तायल ने भारत की एक्ट ईस्ट पालिसी और दक्षिण कोरिया की न्यू सदर्न पालिसी के बारे में चर्चा की।

सियोल नेशनल यूनिवर्सिटी के प्रो जो डोंग-
जून ने भारत और चीन के बीच मौजूदा गतिरोध और वन बेल्ट वन रोड योजना के ज़रिए व्यापार मार्ग के लिए वैश्विक बुनियादी ढाँचा विकसित करने की चीनी की महत्वकांक्षा से इस क्षेत्र में उभरती नई बहुपक्षीय डाईनैमिक्स पर अपने विचार रखे।

जामिया में कोरियाई अध्ययन कार्यक्रम के निदेशक, प्रो-डू-
यंग किम ने भारत और दक्षिण कोरिया के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने में आरएएसके के उद्देश्यों और उपलब्धियों के बारे में विस्तार से बताया।

अहमद अज़ीम
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया समन्वयक